ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

7 December 2024

अकाल तख्त द्वारा धार्मिक दंड: एक अवलोकन

सन्दर्भ: हाल ही में शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के नेता सुखबीर सिंह बादल पर अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर के प्रवेश द्वार पर गार्ड ड्यूटी के दौरान हमला किया गया। यह घटना उस समय हुई जब अकाल तख्त ने कथित कुशासन के आरोप हेतु (अकाली दल के नेतृत्व वाली सरकार (2007-2017)) उन्हें धार्मिक सजा दी थी।

अकाल तख्त:

- अकाल तख्त सिख धर्म में एक प्रमुख संस्था है, जोकि आध्यात्मिक और सांसारिक दोनों प्रकार के अधिकारों के सर्वोच्च संरक्षक के रूप में कार्य करती है। इसे गुरु हरगोबिंद ने 1606 में स्थापित किया था और यह अमृतसर में स्वर्ण मंदिर परिसर में स्थित है। अकाल तख्त लौकिक शासन के साथ धार्मिक नेतृत्व के एकीकरण का प्रतीक है, जोकि सिख पहचान और बाहरी राजनीतिक दबावों के खिलाफ प्रतिरोध का प्रतिनिधित्व करता है।

अकाल तख्त के कार्य:

- **धार्मिक और लौकिक प्राधिकरण:** यह सिख समुदाय के लिए आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करता है और धार्मिक निर्देश जारी करता है। इसके अतिरिक्त, यह सामुदायिक विवादों और नैतिक चिंताओं को भी संबोधित करता है।
- **प्रतिरोध का प्रतीक:** ऐतिहासिक रूप से, अकाल तख्त ने उत्पीड़न के विरुद्ध सिखों के विद्रोह का प्रतिनिधित्व किया है, तथा आध्यात्मिक शक्ति और आत्मरक्षा दोनों के महत्व पर बल दिया है।

तनखाह:

- तनखाह, या धार्मिक प्रायश्चित, सिख धर्म में एक प्रथा है, जिसमें उन व्यक्तियों को अकाल तख्त द्वारा एक निर्धारित दंड दिया जाता है, जिन्होंने सिख सिद्धांतों का उल्लंघन किया हो। इस प्रकार की सजा का उद्देश्य किसी को नुकसान पहुँचाना नहीं, बल्कि उसे धार्मिक जीवन की ओर वापस लाना है।

तनखाह प्रक्रिया:

- **स्वैच्छिक समर्पण:** अकाल तख्त के अधिकार को स्वीकार करने वाले सिखों को मुकदमे के लिए बुलाया जा सकता है। सजा में अक्सर विनम्रता या सार्वजनिक सेवा के कार्य शामिल होते हैं, जिनका उद्देश्य आत्म-चिंतन और विनम्रता को बढ़ावा देना होता है।
- **प्रायश्चित के कार्य:** व्यक्ति को समुदाय में अपनी प्रतिष्ठा को बहाल करने के लिए सामुदायिक सेवा या अन्य प्रतीकात्मक कार्य करने की आवश्यकता हो सकती है।
- सुखबीर सिंह बादल के मामले में तनखाह शिअद (शिरोमणि अकाली दल) के कार्यकाल के दौरान शासन से संबंधित आरोपों का परिणाम था जिसमे स्वर्ण मंदिर परिसर के सार्वजनिक स्थानों की सफाई जैसे मुद्दे शामिल थे।

सिख शासन में अकाल तख्त की भूमिका:

- अकाल तख्त सिख शासन में केंद्रीय भूमिका निभाता है और यह शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) से निकटता से जुड़ा हुआ है, जोकि सिख तीर्थस्थलों का प्रबंधन करती है। अकाल तख्त ने ऐतिहासिक रूप से सिख राजनीतिक नेतृत्व का मार्गदर्शन किया है और नैतिक शासन तथा आचरण को मजबूत किया है।

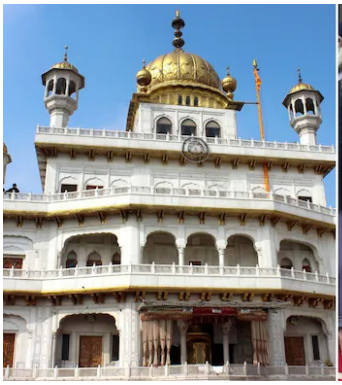

शासन के प्रमुख पहलू:

- **नैतिक नेतृत्व पर मार्गदर्शन:** अकाल तख्त सिख राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करता है, व्यक्तियों को उनके आचरण के लिए जिम्मेदार ठहराकर और यह सुनिश्चित करके कि वे सिख मूल्यों का पालन करें।
- **एसजीपीसी के साथ सहयोग:** एसजीपीसी और शिरोमणि अकाली दल जैसी राजनीतिक संस्थाओं के साथ मिलकर अकाल तख्त के निर्णय अक्सर सिख समुदाय के भीतर राजनीतिक गतिशीलता के साथ जुड़े होते हैं

निष्कर्ष:

अकाल तख्त सिख धर्म में एक अत्यंत महत्वपूर्ण संस्था है, जो आध्यात्मिक और नैतिक नेतृत्व को सामुदायिक शासन के साथ संतुलित करती है। तनखाह प्रक्रिया विनम्रता और जवाबदेही की आवश्यकता को प्रमुख रूप से उजागर करती है। सुखबीर सिंह बादल का मामला अकाल तख्त की निरंतर प्रासंगिकता को प्रकट करता है, जो सिख नेतृत्व को मार्गदर्शन प्रदान करता है और यह सुनिश्चित करता है कि समुदाय के लोग न्याय और नैतिक अखंडता के सिख सिद्धांतों का पालन करें।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

ध्येय IAS
most trusted since 2003
DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims
7 December 2024

भू-राजनीतिक परिवर्तनों के बीच भारत का व्यापार परिदृश्य

संदर्भ: हाल ही में नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों के चलते वैश्विक स्तर पर विनिर्माण विविधीकरण की प्रवृत्ति तेज हुई है, जिससे 'चीन प्लस वन' रणनीति को बढ़ावा मिला है। हालांकि, इस रणनीति का पूरा लाभ उठाने में भारत को अब तक सीमित सफलता मिली है। रिपोर्ट में विशेष रूप से अमेरिका-चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक तनावों के मद्देनजर भारत के लिए उभरते अवसरों पर प्रकाश डाला गया है, जोकि भारत के व्यापारिक विस्तार और आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

भू-राजनीतिक संदर्भ:

- **अमेरिका-चीन व्यापार तनाव**
  - » **अमेरिकी प्रतिबंध:** अमेरिका ने चीन की तकनीकी वृद्धि को कम करने के लिए चिप बनाने वाले उपकरणों और उच्च बैंडविड्थ मेमोरी चिप्स जैसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों पर निर्यात प्रतिबंध लगा दिया है।
  - » **चीन की प्रतिक्रिया:** चीन ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उच्च तकनीक विनिर्माण के लिए आवश्यक गैलियम और जर्मेनियम जैसी प्रमुख सामग्रियों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है।
- **भारत का आर्थिक अवसर:** भारत वैश्विक व्यापार में आए इन विचलनों से लाभ उठाने की बेहतर स्थिति में है। हालांकि, इन अवसरों का पूर्ण लाभ उठाने के लिए उसे अपने आंतरिक चुनौतियों का समाधान करने और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने की आवश्यकता है। वर्तमान में, कई वैश्विक बाजारों में भारत की हिस्सेदारी 1% से भी कम है, जोकि विकास के लिए पर्याप्त संभावनाओं को दर्शाता है।

"चीन प्लस वन" रणनीति में चुनौतियाँ:

- **अन्य देशों से प्रतिस्पर्धा:** वियतनाम, थाईलैंड, मलेशिया और कंबोडिया निम्नलिखित कारणों से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक आकर्षित कर रहे हैं:
  - » **कम लागत:** सस्ता श्रम और सरल विनियामक प्रक्रियाएँ।
  - » **सक्रिय मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए):** अधिक एफटीए पर हस्ताक्षर करने से इन देशों ने अपनी व्यापारिक पहुंच का विस्तार किया है।
- **भारत के घरेलू मुद्दे:**
  - » भारत की श्रम और उत्पादन लागत अपेक्षाकृत अधिक है।
  - » जटिल नियमों के कारण व्यवसायों के लिए परिचालन करना तथा निवेश आकर्षित करना कठिन हो जाता है।
- **क्षेत्र-विशिष्ट चुनौतियाँ (लौह एवं इस्पात उद्योग):** भारत का लोहा और इस्पात क्षेत्र, जोकि यूरोपीय संघ को उसके निर्यात का 23.5% हिस्सा है, नई यूरोपीय संघ नीतियों के कारण दबाव में है:
  - » **कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (CBAM):** यूरोपीय संघ ने उच्च कार्बन उत्सर्जन वाले लोहा, इस्पात और एल्युमीनियम आयातों पर 20-35% टैरिफ लगाने की योजना बनाई है, जिससे लागत बढ़ेगी और भारतीय निर्यात की मांग घटेगी।
  - » **अनुपालन लागत:** भारतीय कंपनियों को कार्बन उत्सर्जन की विस्तृत रिपोर्टिंग के लिए अधिक निवेश करना होगा, जिससे उनकी लागत बढ़ जाएगी।
  - » **निर्यात में गिरावट:** वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में कमजोर घरेलू मांग और चीन की अधिक आपूर्ति के कारण भारतीय लोहा और इस्पात निर्यात में 33% की गिरावट दर्ज की गई।

रणनीतिक सिफारिशें:

- **निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार:**
  - » उत्पादों में विविधता लाएं और नए अंतर्राष्ट्रीय बाजार तलाशें।
  - » निर्यातकों की लागत कम करने के लिए विनियमों को सरल बनाएं।
- **टैरिफ नीतियों पर पुनर्विचार:**
  - » अत्यधिक उच्च टैरिफ से बचें जोकि डाउनस्ट्रीम उद्योगों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को कम कर सकते हैं।
- **वैश्विक तनाव का उपयोग:**
  - » वर्तमान में चल रहे अमेरिका-चीन व्यापार संघर्ष का उपयोग भारतीय उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए करना चाहिए, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां अमेरिका ने चीन पर प्रतिबंध लगाए हैं।
- **मुक्त व्यापार समझौतों पर फोकस:**
  - » बाजार पहुंच बढ़ाने के लिए प्रमुख व्यापार साझेदारों के साथ एफटीए को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाना।

निष्कर्ष:

भारत अपनी व्यापार यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। जबकि भू-राजनीतिक परिवर्तन विकास के अवसर प्रदान करते हैं, भारत को उनका पूरा लाभ उठाने

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
@yeyaias.com

के लिए अपनी घरेलू चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता है। अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करके, नीतियों को सरल बनाकर और वैश्विक व्यापार में अधिक सक्रिय रूप से शामिल होकर, भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक मजबूत देश के रूप में खुद को स्थापित कर सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भारत की सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन

सन्दर्भ: हाल ही में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन कार्यरत केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) ने गोवा के पणजी में आयोजित 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के दौरान भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को प्रभावी तरीके से प्रदर्शित किया।

विशेष प्रदर्शन:

- **असम:**
  - » **सत्रिया नृत्य:** वैष्णव परंपरा पर आधारित यह शास्त्रीय नृत्य शैली भक्ति कहानियों को प्रस्तुत करने के लिए जटिल शारीरिक गतियों और भाव-भंगिमाओं का उपयोग करती है। यह कला रूप आध्यात्मिकता और कलात्मकता का अनूठा समन्वय प्रदर्शित करता है।
  - » **भोरताल, देवधनी और बिहू:** असम के त्योहारों और कृषि-आधारित जीवन शैली को प्रतिबिंबित करने वाले प्रमुख लोक नृत्य। भोरताल अपने ऊर्जावान और लयबद्ध आंदोलनों के लिए जाना जाता है, देवधनी एक अनुष्ठानिक और समाधि-सदृश नृत्य है, जबकि बिहू अपनी जीवंतता, संगीत और उत्साह के माध्यम से फसल उत्सव की उमंग को दर्शाता है।
- **तेलंगाना:**
  - » **गुसाडी नृत्य:** गोंड समुदाय द्वारा प्रस्तुत यह आदिवासी नृत्य विस्तृत वेशभूषा, जीवंत संगीत और ऊर्जावान गतियों के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाता है। यह नृत्य उल्लास और सामुदायिक भावना का प्रतीक है।
- **जम्मू और कश्मीर:**
  - » **रौफ नृत्य:** कश्मीरी संस्कृति का यह पारंपरिक नृत्य मुख्यत: त्योहारों और शादियों के अवसर पर किया जाता है। इसमें नर्तकों की कोमल और सामंजस्यपूर्ण हरकतें कश्मीर की संस्कृति की शांति और गरिमा को प्रदर्शित करती हैं।
- **तमिलनाडु:**
  - » **करकट्टम:** तमिलनाडु का यह लोक नृत्य पारंपरिक संगीत की ताल पर प्रस्तुत किया जाता है, जिसमें कलाकार अपने सिर पर अलंकृत बर्तनों को संतुलित करते हैं। यह नृत्य ग्रामीण रीति-रिवाजों, अनुष्ठानों और देवताओं के प्रति भक्ति का प्रतीक है।
- **केरल:**
  - » **मोहिनीअट्टम:** इसे 'जादूगरनी का नृत्य' के रूप में जाना जाता है, मोहिनीअट्टम एक शास्त्रीय नृत्य है जिसकी विशेषता कोमल, लहराती चाल, तरल अनुग्रह और अभिव्यंजक कहानी कहने की है। यह अक्सर हिंदू पौराणिक कथाओं के विषयों को चित्रित करता है और भावपूर्ण कर्नाटक संगीत के साथ होता है।

- **हिमाचल प्रदेश:**
  - » **सिरमौर नाटी, दगयाली और दीप नृत्य:** ये लोक नृत्य हिमाचल के सांस्कृतिक उत्सवों और मौसमी उत्सवों का सार प्रस्तुत करते हैं । नाटी जीवंत और लयबद्ध है, जबकि दागयाली और दीप नृत्य आध्यात्मिक और औपचारिक तत्वों पर जोर देते हैं।
- **कर्नाटक:**
  - » **जोगाथी और दीपम नृत्य:** आध्यात्मिक परंपराओं पर आधारित अनुष्ठानिक नृत्य। जोगाथी में भक्ति विषय शामिल होते हैं, जबकि दीपम नृत्य में दीपों को संतुलित करना शामिल होता है, जोकि प्रकाश और आध्यात्मिकता का प्रतीक है।
- **राजस्थान और बिहार:**
  - » **चेरी और कालबेलिया नृत्य:** राजस्थान की गतिशील भावना का प्रतिनिधित्व करते हुए, चेरी नृत्य में आग से जलाए गए बर्तनों को संतुलित करना शामिल है, जबकि सपेरा समुदाय द्वारा किया जाने वाला कालबेलिया राजस्थान का प्रमुख नृत्य हैं।
  - » **झिझिया नृत्य:** बिहार का एक जीवंत लोक नृत्य, जोकि सामुदायिक जीवन का जश्न मनाने और उत्सव के अवसरों को चिह्नित करने के लिए किया जाता है। इसमें महिलाएँ अपने सिर पर पारंपरिक पीतल के बर्तनों को संतुलित करते हुए लयबद्ध धुनों पर नृत्य करती हैं।

ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

7 December 2024

पॉवर पैक्ड न्यूज

राज मनचंदा: भारतीय स्क्वैश में एक विरासत

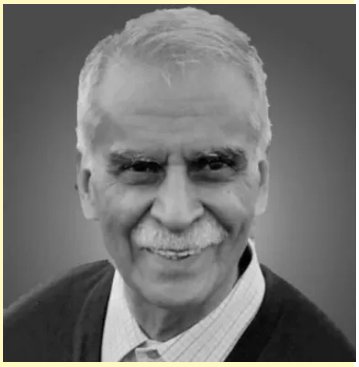

- हाल ही में राज मनचंदा का 79 वर्ष की आयु में नई दिल्ली में निधन हो गया। वह राष्ट्रीय स्क्वैश चैंपियन थे, उन्होंने 33 वर्ष की आयु में अपना पहला खिताब हासिल किया था। 1977 से 1982 तक राष्ट्रीय स्क्वैश परिदृश्य पर छाए रहने वाले मनचंदा ने सेना का प्रतिनिधित्व करते हुए 11 खिताब भी जीते। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर 6 पुरस्कार जीते।
- भारतीय स्क्वैश के प्रमुख खिलाड़ी मनचंदा ने भारतीय टीम को कराची में 1981 एशियाई टीम चैम्पियनशिप में रजत पदक और जॉर्डन में 1984 एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य पदक दिलाया।
- खेल में उनके योगदान को अत्यधिक सराहा गया और उनकी उपलब्धियों के सम्मान में उन्हें 1983 में प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- उनका करियर स्क्वैश खिलाड़ियों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा तथा भारतीय स्क्वैश इतिहास में सबसे प्रमुख व्यक्तियों में से एक के रूप में उन्हें याद करेगा।

सेंटिनल-1सी उपग्रह प्रक्षेपण

- हाल ही में तीसरे कोपरनिकस सेंटिनल-1 उपग्रह, सेंटिनल-1सी को फ्रेंच गुयाना में यूरोप के स्पेसपोर्ट से वेगा-सी रॉकेट पर सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। यह प्रक्षेपण इतालवी निर्मित वेगा-सी लॉन्चर की पुनः वापसी का प्रतीक है, जोकि अपने पहले वाणिज्यिक मिशन में विफलता के कारण दो वर्षों तक निलंबित रहा था।
- सेंटिनल-1सी को पृथ्वी के पर्यावरण में होने वाले बदलावों की निगरानी के लिए उच्च-रिजॉल्यूशन रडार इमेज प्रदान करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है।
- यह समुद्री यातायात की निगरानी, जलवायु परिवर्तनों का अध्ययन करने और आपदाओं के प्रबंधन सहित कई अनुप्रयोगों का समर्थन करता है।
- यह उपग्रह वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करने में योगदान देगा और कोपरनिकस कार्यक्रम में नई क्षमताएँ जोड़ने में सहायक होगा।
- कोपरनिकस दुनिया की सबसे बड़ी पृथ्वी अवलोकन प्रणाली है, जिसमें 12 सेंटिनल उपग्रह शामिल हैं। इसमें रडार डेटा का सबसे बड़ा संग्रह है, जो इसे हमारे ग्रह को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन बनाता है।

स्लोवेनिया

- हाल ही में भारत और स्लोवेनिया ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अपने सहयोग को मजबूत करने के लिए पंचवर्षीय योजना की घोषणा की। इस साझेदारी का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना है और यह वैश्विक नवाचार और विकास में स्लोवेनिया की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।
- स्लोवेनिया, जिसकी राजधानी लजुब्लजाना है, मध्य यूरोप में एक छोटा सा देश है। इसकी सीमा उत्तर में ऑस्ट्रिया, उत्तर-पूर्व में हंगरी, पूर्व, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण में क्रोएशिया और पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम में इटली से लगती है।
- स्लोवेनिया की वेनिस की खाड़ी के साथ एक तटरेखा भी है, जोकि इसे एड्रियाटिक सागर से जोड़ती है।
- स्लोवेनिया अपने खूबसूरत परिदृश्यों के लिए जाना जाता है, जिसमे कार्स्टिक पठार, चोटियाँ और अल्पाइन चोटियाँ शामिल हैं।
- स्लोवेनिया का सबसे ऊँचा स्थान माउंट ट्रिग्लव है। सावा, द्रवा और मुरा जैसी प्रमुख नदियाँ स्लोवेनिया से होकर बहती हैं, जोकि इसकी प्राकृतिक सुंदरता और अर्थव्यवस्था में योगदान देती हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार के लिए 'अन्न चक्र' का शुभारंभ

- हाल ही में केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) आपूर्ति श्रृंखला को और अधिक कुशल बनाने के लिए नई दिल्ली में 'अन्न चक्र' लॉन्च किया है। इस उपकरण को विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) और आईआईटी-दिल्ली में फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी) के सहयोग से विकसित किया गया है।

- अन्न चक्र का उद्देश्य पीडीएस लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का आधुनिकीकरण करना है, जिससे देश भर में खाद्यान्नों की सुचारू और समय पर आवाजाही सुनिश्चित हो सके।
- इससे परिवहन-संबंधी उत्सर्जन को कम करने में भी मदद मिलेगी, जिससे कार्बन उत्सर्जन कम होगा और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।
- अन्न चक्र के साथ ही राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के लिए सब्सिडी दावा आवेदन (सब्सिडी क्लेम एप्लीकेशन) नामक एक पोर्टल भी शुरू किया गया है।
- यह पोर्टल खाद्य सब्सिडी जारी करने और निपटाने की प्रक्रियाओं को स्वचालित बनाएगा, जिससे सिस्टम में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही में सुधार होगा।